प्रेस नोट

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय की डीबीटी बायोटेक - किसान हब परियोजना के अंतर्गत 'किसान-वैज्ञानिक कनेक्ट मीट कार्यक्रम' तथा 'वृक्षारोपण' कार्यक्रम दिनांक 28.10.2021

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में पूसा संस्थान के प्रांगण में आज दिनांक 28.10.2021 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय की डीबीटी बायोटेक - किसान हब परियोजना के अंतर्गत 'किसान-वैज्ञानिक कनेक्ट मीट कार्यक्रम' तथा 'वृक्षारोपण' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ॰ जितेंद्र सिंह जी, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (आईसी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार थे। डॉ. रेणु स्वरूप, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार विशिष्ट अतिथि थीं। डॉ. अशोक कुमार सिंह, निदेशक, भा॰कृ॰अनु॰प॰-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली; डॉ शेखर सी मंडे, महानिदेशक, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और सचिव, वैज्ञानिक और अनुसंधान विभाग; डॉ. हरि शंकर गुप्ता, भूतपूर्व निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान एवं अध्यक्ष, डीबीटी बायोटेक - किसान हब परियोजना और डॉ. राधा आश्रित, सलाहकार, भारत सरकार कार्यक्रम के दौरान मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्ति थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के शुरुवात में माननीय मुख्य अतिथि जी एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा और मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिती में पूसा संस्थान के प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।

अशोक कुमार सिंह, निदेशक, भा॰कृ॰अनु॰प॰-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और सभागार में उपस्थित डीबीटी बायोटेक - किसान हब परियोजना के अंतर्गत किसानों को बधाई दी और देश में कृषि विकास और खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उनके योगदान के लिए भी धन्यवाद दिया और इस परियोजना की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. राधा आश्रित, सलाहकार, भारत सरकार ने इस परियोजना के बारे में जानकारी दी और लाभान्वित हो रहे देश के किसानों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ शेखर सी॰ मंडे, महानिदेशक, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और सचिव, वैज्ञानिक और अनुसंधान विभाग ने कृषि प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर और सीएसआईआर की साझेदारी पर जोर दिया और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आगे भी एक साथ किसानों के लिए कार्य करने पर बल दिया। डॉ. रेणु स्वरूप, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सरकार भारत ने लाभान्वित किसानों

को बधाई दी और संस्थान के साथ उच्च गुणवत्ता कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार पर भविष्य में साझेदारी पर ज़ोर दिया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ॰ जितेंद्र सिंह जी, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (आईसी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, सरकार भारत ने किसानों की आय दोगुनी करने के क्षेत्र में इस परियोजना की भूमिका और आगे भी निरंतर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने किसानों से अधीर न होने को कहा और बताया की सरकार उनके साथ है। उन्होंने कहा, "सरकार और वैज्ञानिक समय-समय पर नई तकनीकों के साथ आपका समर्थन करेंगे।" उन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने में नई और नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों की केंद्रीय भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और फसल की किस्में बिना किसी समय के किसानों तक पहुंचनी चाहिए और किसानों का विश्वास जीतने के लिए किसानों के खेतों पर इसका प्रदर्शन किया जाना चाहिए। डॉ॰ जितेंद्र सिंह जी ने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, जैविक कृषि और पारंपरिक कृषि विकास योजना (परंपरागत कृषि) जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों के हाथों में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

देश भर से बड़ी संख्या में किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और उपयोगी और उन्नत ज्ञान और जानकारी प्राप्त की। इस परियोजना के अंतर्गत कई किसानों को सम्मानित किया गया और खासतौर से महिला किसानों को पोषक रसोई किट भी माननीय अतिथि द्वारा वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न किसानोपयोगी पुस्तकों एवं किसान के सफल गाथा का भी विमोचन माननीय अतिथियों द्वारा किया गया। निदेशक, निदेशक, भा॰कृ॰अनु॰प॰-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने इस कार्यक्रम के आयोजन की शानदार सफलता के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों की सराहना की और किसानों की गहरी भागीदारी के लिए भी सराहना की।

(स्रोत: मीडिया सेल, भा॰कृ॰अनु॰प॰-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली)